अर्थ के आधार पर शब्द भेद

भाषा अभिव्यक्ति का साधन है तो शब्द उसका सम्पत्ति। शब्दों की रचना के विविध रूपों (संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय) को समझने के पश्चात् यह जानना अत्यन्त आवश्यक है कि इनके अलावा शब्द के अन्य रूप हैं—पर्यायवाची शब्द, विपरीतार्थक शब्द, अनेकार्थक शब्द आदि। ये शब्द रचना की विशिष्ट पद्धतियाँ हैं, जिनसे कोई भी भाषा समृद्ध होती है।

पर्यायवाची/एकार्थी शब्द—जिन शब्दों के अर्थ में समानता होती है, उन्हें पर्यायवाची शब्द कहते हैं। इन्हें समानार्थक शब्द के नाम से भी जाना जाता है। जिस भाषा में जितने अधिक पर्यायवाची शब्द होते हैं उसे उतना ही समृद्ध माना जाता है। संस्कृत/लैटिन, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश आदि भाषाएँ पर्यायवाची शब्दों की दृष्टि से सम्पन्न हैं। हिन्दी में भी पर्यायवाची शब्दों का आधिक्य है और इसका सबसे बड़ा कारण है संस्कृत के तत्सम शब्दों की अधिकता।

पर्यायवाची शब्दों के प्रयोग से भाषा में एकरसता और उबाऊपन नहीं आता। काव्य रचना करने में पर्यायवाची शब्दों से बड़ी सहायता मिलती है। कुछ प्रचलित पर्यायवाची शब्द निम्नलिखित हैं–

अंग – भाग, कलेवर, अंश, हिस्सा।

अग्नि – आग, पावक, अनल, दहन।

अमृत – पीयूष, सुधा, अमिय।

अरण्य – वन, विपिन, कानन, जंगल।

अश्व – घोड़ा, हय, तुरंग, घोटक।

आकाश – व्योम, गगन, आसमान, शून्य।

इच्छा – आकांक्षा, चाह, कामना, ईप्सा।

कमल – पंकज, जलज, राजीव, अम्बुज।

क्रोध – रोष, गुस्सा, कोप, अमर्ष।

चतुर – सयाना, होशियार, योग्य, कुशल, निपुण।

जल	–	पानी, नीर, वारि, सलिल, पय।
दुख	–	क्लेश, पीड़ा, वेदना, खेद, विषाद।
पर्वत	–	पहाड़, गिरि, शैल, भूधर, नग।
पुत्र	–	बेटा, लड़का, आत्मज, सुत, तनय।
पुष्प	–	फूल, प्रसून, कुसुम, सुमन।
मधुरकर	–	भौंरा, भ्रमर, अलि, भँवरा, मधुप।
मेघ	–	बादल, जलद, अंबुद, वारिधर।
रात्रि	–	रात, निशा, रैन, रजनी, यामिनी।
सर्प	–	साँप, नाग, भुंजंग, पन्नग।
सुन्दर	–	अच्छा, मनोहर, चारू, रम्य।
सूर्य	–	दिनकर, रवि, भास्कर, दिवाकर, अर्क।
स्त्री	–	नारी, महिला, वनिता, सुन्दरी, ललना।

विपरीतार्थक शब्द–इन शब्दों को विलोम शब्द या भिन्नार्थक शब्द भी कहते हैं। जैसे आगे-पीछे, माता-पिता आदि। ये शब्द एक-दूसरे के प्रतिकूल होते हैं। कुछ प्रचलित विपरीतार्थक शब्द इस प्रकार हैं–

अन्दर	–	बाहर
अति	–	अल्प
अंधकार	–	प्रकाश
अर्पण	–	ग्रहण
अमृत	–	विष
आद्य	–	अन्त
आजादी	–	गुलामी
गृहस्थ	–	संन्यासी
जय	–	पराजय
गुप्त	–	प्रकट
उत्थान	–	पतन
उच्च	–	निम्न
उपसर्ग	–	प्रत्यय
कड़वा	–	मीठा
कायर	–	निडर
जीवन	–	मरण
खुला	–	बन्द
तरल	–	ठोस
धरती	–	गगन
निकट	–	दूर
नया	–	पुराना
पुरस्कार	–	दण्ड
पण्डित	–	मूर्ख
भला	–	बुरा
दयालु	–	निष्ठुर
मानव	–	दानव
मेहनती	–	आलसी
हार	–	जीत

गुण	–	अवगुण
आरोह	–	अवरोह
आशा	–	निराशा
निर्बल	–	सबल
उत्कर्ष	–	अपकर्ष
पक्ष	–	विपक्ष
प्राचीन	–	अर्वाचीन
स्वतन्त्र	–	परतन्त्र
आदर	–	अनादर
देखा	–	अनदेखा
भय	–	अभय
दृश्य	–	अदृश्य
दृश्य	–	अदृश्य

गोचर	–	अगोचर
कहा	–	अनकहा
न्याय	–	अन्याय
निद्रा	–	अनिद्रा
सभ्य	–	असभ्य
ज्ञान	–	अज्ञान
शुद्ध	–	अशुद्ध
ज्ञात	–	अज्ञात
शुभ	–	अशुभ